CG5-UNDERSTANDING DISCIPLINES AND SUBJECT

UNIT-1 CULTURE AND TRIBES

संस्कृति का अर्थ-

साधारण बोलचाल में 'संस्कृति' का अर्थ सुन्दर, परिष्कृत, रुचिकर, या कल्याणकारी व्यवहार या गुणों से लिया जाता है। संस्कृति समूह के विश्वासों, आदर्शों, विचारों, व्यवहारों, रीति-रिवाजों आदि व्यवहार के अनेक उपकरणों तथा साधनों को संस्कृति कहा जाता है। इस प्रकार संस्कृति में वह सब सम्मिलित है। जो मानव अपने व्यक्तिगत और सामाजिक जीवन के मानसिक और आध्यात्मिक क्षेत्र में आजतक अर्जित किया है।

संस्कृति की परिभाषा:-

1. टायलर के अनुसार- "संस्कृति एक जटिल सम्पूर्ण है, जिसमें, ज्ञान, विश्वास, कलायें, नीति, विधि, रीति-रिवाज, और समाज के सदस्य होकर मनुष्य अर्जित अन्य योग्यतायें और आदतें शामिल है।"
2. व्हाइट के अनुसार- "संस्कृति एक प्रतीकात्मक, निरन्तर संचयी और प्रगतिशील प्रक्रिया है।"
3. रेडफील्ड के अनुसार- "संस्कृति कला और उपकरणों से अभिव्यक्त परम्परागत ज्ञान का एक संगठित रूप है। जो परम्परा के द्वारा संगठित होकर मानव समूह की विशेषता बन जाता है।"

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

(2)

Page :
Date :

(4) जोसेफ पीपर के अनुसार- "संस्कृति प्राणी की भी सभी प्राकृतिक वस्तुओं का और उन उपकरणों का तथा गुणों का सार है। जो मनुष्य से सम्बन्ध रखते हुए भी उनकी आवश्यकताओं के तत्कालिक क्षेत्र से परे है।"

संस्कृति के प्रकार :-

संस्कृति के मुख्य दो प्रकार है।-

(1) भौतिक संस्कृति - MATERIAL CULTURE

(2) अभौतिक संस्कृति - NON MATERIAL-CU

(1) भौतिक संस्कृति :-

इसमें भौतिक या पार्थिव वस्तुएँ आती है जो मनुष्य के व्यवहार में आती है। जैसे रहने के मकान, घरों का सामान, विभिन्न प्रकार के उपकरण, औजार, हथियार, बर्तन, आवागमन के साधन इत्यादि।

(2) अभौतिक संस्कृति :-

इसमें अमूर्त वस्तुएं शामिल है। जैसे समाज के विभिन्न रीति-रिवाज, रूढ़ियाँ, विधियाँ, कलाएँ ज्ञान और धर्म आदि।

संस्कृति की विशेषताएँ :-

(1) संस्कृति में मनुष्य निर्मित और वे वस्तुएँ सम्मीलित है। जिनमें मनुष्य संशोधन कर सकता है।

(2) नये तत्वों के समावेश से संस्कृति की जटिलता और गुण बढ़ते है।

(3) यह पीढ़ी दर पीढ़ी मानसिक (PSYCHIC) रूप से

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

संचारित होती रहती है।
(4) संस्कृति केवल मानव समाजों में पाई जाती है!
संस्कृति की प्रकृति

संस्कृति की प्रकृति
(1) संस्कृति सीखे हुए गुण हैं।
(2) संस्कृति संचारशील है।
(3) संस्कृति वैयक्तिक नहीं बल्कि सामाजिक है!
(4) संस्कृति आदर्शात्मक है।
(5) संस्कृति कुछ आवश्यकताओं को पूरा करती है
(6) संस्कृति में उपयोजन की योग्यता होती है!
(7) संस्कृति में एकीभूत होने का गुण है।

संस्कृति के सार्वभौम तत्व:
(1) बोली (2) पार्थिव उपकरण जैसे- भोजन, मकान, आवागमन के साधन, वेशभूषा, हथियार, बर्तन, वस्त्र, उद्योग और धन्धे, (3) कलाये, (4) पौराणिक और वैज्ञानिक ज्ञान (5) धार्मिक रीतियाँ और अन्धविश्वास (6) कुटुम्ब और विवाह, सामाजिक नियन्त्रण, खेल-कूद जैसे सामाजिक संस्थायें, (7) सम्पत्ति मूल्य विनिमय, और व्यापार (8) सरकार और विधि (9) युद्ध।

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner